



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैरि - श्रृंगि	05-09-23	10	2-5

‘चिह्नोद व पायलां के खेतों का नोडल अधिकारी ने किया दैरा’ नवीनतम तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने का किया आह्वान

नोडल अधिकारी ने
हक्कवि द्वारा लगाए गए
विभिन्न प्रदर्शन प्लाटों
का अवलोकन किया।

ठारिगूरि न्यूज || इसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय में चल रहे फार्मस फस्ट प्रोग्राम के तहत कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (आटारी), जोधपुर से नोडल अधिकारी डॉ. पीपी रोहिला ने गांव चिह्नोद व पायलां का दैरा किया। नोडल अधिकारी ने हक्कवि द्वारा लगाए गए विभिन्न प्रदर्शन प्लाटों का अवलोकन किया।

इस दैरान उन्होंने मूँग फसल की एप्सच 421 किस्म का खेत में प्रदर्शन देखा। साथ ही उन्होंने देशी कपास व अमरुल की फसलों में टपका सिंचाई प्रणाली का भी अवलोकन किया। नोडल अधिकारी डॉ. पीपी रोहिला ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कृषि से संबंधित तमाम नवीनतम तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने



हिसार। फसलों का जायजा लेते नोडल अधिकारी पीपी रोहिला।

फोटो: हरिधरि

का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण आज खेती योग्य भूमि कम हो गई है। केवल खेती पर निर्भर रहने से किसान व उसके परिवार का पालन-पोषण मुश्किल हो गया है।

इस स्थिति के चलते किसानों की आर्थिक दशा को मजबूत करने के लिए समन्वित कृषि प्रणाली को अपनाना बहुत जरूरी है ताकि उन्हें नियमित आय प्राप्त होती रहे और

उन्हें खेती के किसी एक घटक पर निर्भर न रहना पड़े।

उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को किसानों की कृषि से संबंधित हर समस्या को पहले अच्छे से समझना चाहिए और यथासंभव उसका हल निकालना चाहिए।

नोडल अधिकारी ने विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल से संबंधित प्रोग्राम के बारे में विस्तार से चर्चा की। साथ ही

उन्होंने प्रोग्राम में शामिल हुए नए वैज्ञानिकों डॉ. हवा सिंह सहारण, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. सतपाल, डॉ. देवेंद्र व डॉ. प्रिंस के साथ मिलकर आगामी रणनीति तय की। इस दैरान फार्मस फस्ट प्रोग्राम के प्रमुख अन्वेषक डॉ. अशोक कुमार गोदारा के साथ प्रोग्राम में काम कर रहे वैज्ञानिक डॉ. करमल सिंह, डॉ. दलीप बिश्नोई, डॉ. कृष्णा रोलनिया व फिल्ड टीम के सदस्य भी मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसटी	05.09.23	04	3-5

नोडल अधिकारी ने किया चिड़ोद व पायलां के खेतों का दैरा

हिसार, 4 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय में चल रहे फार्मस फर्स्ट प्रोग्राम के तहत कृषि तकनीकी औन्प्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी), जोधपुर से नोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रोहिल्ला ने गांव चिड़ोद व पायलां के खेतों का दौरा किया। उन्होंने वहां हक्किंदार लगाए गए विभिन्न प्रदर्शन प्लाटों का अवलोकन किया। इस दैरान उन्होंने मूँग फसल की एम.एच 421 किस्म का खेत में प्रदर्शन देखा। साथ ही उन्होंने देशी कपास व अमरूद की फसलों में टपका सिंचाई प्रणाली का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रोहिल्ला ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कृषि से संबंधित तमाम नवीनतम तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने का आवान किया। उन्होंने कहा कि बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण आज खेती योग्य भूमि कम हो गई



हक्किंदार गांव चिड़ोद व पायलां में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते नोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रोहिल्ला।

है। केवल खेती पर निर्भर रहने से किसान व उसके परिवार का पालन-पोषण मुश्किल हो गया है। इस स्थिति के चलते किसानों की आर्थिक दशा को मजबूत करने के लिए समन्वित कृषि प्रणाली को अपनाना बहुत जरूरी है, ताकि उन्हें नियमित आय प्राप्त होती रहे और उन्हें खेती के किसी एक घटक पर निर्भर न रहना पड़े।

उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को किसानों की कृषि से संबंधित हर समस्या

को पहले अच्छे से समझना चाहिए और यथासंभव उसका हल निकालना चाहिए। इसके बाद नोडल अधिकारी ने विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल से संबंधित प्रोग्राम के बारे में विस्तार से चर्चा की। साथ ही उन्होंने प्रोग्राम में शामिल नए वैज्ञानिकों डॉ. हवा सिंह महारण, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. सतपाल, डॉ. देवेंद्र व डॉ. प्रिंस के साथ मिलकर आगामी रणनीति तय की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	05-09-23	05	4-6

हक्की द्वारा आयोजित कार्यक्रम में गांव चिड़ोद व पायलां के खेतों/ का नोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रोहिला ने किया दौरा

फार्मस फर्स्ट प्रोग्राम के तहत नोडल अधिकारी ने प्रदर्शन प्लांट की सराफ़ना की



हिसार, 4 सितंबर (विसेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशकालय में चल रहे फार्मस फर्स्ट प्रोग्राम के तहत कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी), जोधपुर से नोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रोहिला ने गांव चिड़ोद व पायलां का दौरा किया। उन्होंने वहां हक्की द्वारा लगाए गए विभिन्न प्रदर्शन प्लाटों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने मूँग फसल की एम.एच. 421 किस्म का खेत में प्रदर्शन देखा। साथ ही उन्होंने देशी

हक्की द्वारा गांव चिड़ोद व पायलां में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते बोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रोहिला व मौजूद अन्य अधिकारीगण व किसान।

लिए समन्वित कृषि प्रणाली को अपनाना बहुत जरूरी है ताकि उन्हें नियमित आय प्राप्त होती रहे और उन्हें खेती के किसी एक घटक पर निर्भर न रहना पड़े। इसके बाद नोडल अधिकारी ने विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलचान सिंह मंडल से संबोधित प्रोग्राम के बारे में विस्तार से चर्चा की। साथ ही उन्होंने प्रोग्राम में शामिल हुए नए वैज्ञानिकों डॉ. हवा सिंह सहारण, डॉ. भूमेंद्र सिंह, डॉ. सतपाल, डॉ. देवेंद्र व डॉ. प्रिंस के साथ मिलकर आगामी रणनीति तय की। इस दौरान फार्मस फर्स्ट प्रोग्राम के प्रमुख अन्येक डॉ. अशोक कुमार गोदारा के साथ प्रोग्राम में काम कर रहे वैज्ञानिक डॉ. करमल सिंह, डॉ. दलीप बिश्नोई, डॉ. कृष्णा रोलनिया व फिल्ड टीम के सदस्य भी मौजूद रहे। इसके अलावा गांव चिड़ोद व पायलां के किसान भी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
७० दिनक जा१२०१	०५-०९-२३	०२	०१-२

चिड़ीद व पायलां के खेतों का नोडल अधिकारी ने किया दौरा

जासं, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय में बल रहे फार्मस फस्ट प्रोग्राम के तहत कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी) जोधपुर से नोडल अधिकारी डा. पीपी रोहिल्ला ने गांव चिड़ीद व पायलां का दौरा किया। उन्होंने वहां हकृति द्वारा लगाए गए विभिन्न प्रदर्शन प्लाटों का अवलोकन किया। उन्होंने मूँग फसल की एमएच 421 किस्म को देखा। उन्होंने देसी कपास व अमरुद की फसलों में टपका सिंचाई प्रणाली

का भी अवलोकन किया। डा. रोहिल्ला ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कृषि से संबंधित तमाम नवीनतम तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण आज खेती योग्य भूमि कम हो गई है। केवल खेती पर निर्भर रहने से किसान व उसके परिवार का पालन-पोषण मुश्किल हो गया है। इस स्थिति के चलते किसानों की आर्थिक दशा को मजबूत करने के लिए समन्वित कृषि प्रणाली को अपनाना बहुत जरूरी है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	04.09.2023	--	--

गांव चिड़ोद व पायलां के खेतों का नोडल अधिकारी ने किया दौरा, विभिन्न प्रदर्शन प्लाटों का किया अवलोकन

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विभाग विद्या निदेशकालय में जल रो पार्मस फार्म प्रोग्राम के तहत कृषि तकनीकी अनुशासन अनुसंधान संस्थान (आटोरी), बाघुर से नोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रेहला ने गांव चिड़ोद व पायलां का दौरा किया। उन्होंने वहां हर्षती द्वारा नमाए गए विभिन्न प्रदर्शन प्लाटों का अवलोकन किया। इस दैर्घ्य उन्होंने मैग पफल की प्रमाणित 421 किमी का खेत में प्रदर्शन देखा। साथ ही उन्होंने देखी कपास व अमरुद और कफलतों में टपका सिंचाई प्रणाली का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रेहला ने विश्वविद्यालय के विज्ञानियों से कृषि से संबंधित तथा सम्पर्क की पालन अच्छे से



न्यूनतम तकनीकों द्वारा किसानों तक पहुंचने का आवाहन किया। उन्होंने कहा कि एक परिवर्तन न होगा यहां।

कहते हुए जनसंघर्ष के कारण आज खेतों योग्य भूमि कम हो रही है। केवल खेतों पर निर्भर रहने से किसान कालन-पालन-पायलां का विवरण की ओर से चर्चा की जाती है। इस विधि के बारे में विद्या नोडल अधिकारी ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थी व उसके परिवार का पालन-पायलां की ओर से चर्चा की जाती है। इस विधि के बारे में विद्या नोडल अधिकारी ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थी व उसके परिवार का पालन-पायलां की ओर से चर्चा की जाती है। इस विधि के बारे में विद्या नोडल अधिकारी ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थी व उसके परिवार का पालन-पायलां की ओर से चर्चा की जाती है।

इस दौरान फलस्वरूप फसल प्रमुख अन्वेषक डॉ. अरोक्त कुमार गोदाग के साथ प्रोफेसर में काम कर रहे विज्ञानिक डॉ. करमल मिंह, डॉ. दलीप विश्वनेह, डॉ. कुमार गोदाग व फिल्ड टीम के सदस्य भी मौजूद रहे। इसके अलावा गोव चिड़ोद व पायलां के किसान भी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	04.09.2023	--	--

हकूमि द्वारा आयोजित कार्यक्रम में गांव चिड़ोद व पायलां के खेतों का नोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रोहिला ने किया दौरा

हिसार, 4 सितंबर (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय में चल रहे फार्मस फर्स्ट प्रोग्राम के तहत कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी), जोधपुर से नोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रोहिला ने गांव चिड़ोद व पायलां का दौरा किया। उन्होंने वहाँ हकूमि द्वारा लगाए गए विभिन्न प्रदर्शन प्लाटों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने मूँग फसल की एम.एच 421 किस्म का खेत में प्रदर्शन देखा। साथ ही उन्होंने देशी कपास व अमरुद की फसलों में टपका सिंचाई प्रणाली का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ. पी.पी. रोहिला ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कृषि से संबंधित तमाम नवीनतम तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केवल खेती पर निर्भर रहने से किसान व उसके परिवार का पालन-पोषण मुश्किल हो गया है। इस स्थिति के चलते किसानों की आर्थिक दशा को मजबूत करने के लिए समन्वित कृषि प्रणाली को अपनाना बहुत जरूरी है ताकि उन्हें नियमित आय प्राप्त होती रहे और उन्हें खेती के किसी एक घटक पर निर्भर न रहना पड़े। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को किसानों की कृषि से संबंधित हर समस्या को पहले अच्छे से समझना चाहिए और यथासंभव उसका हल निकालना चाहिए। इसके बाद नोडल अधिकारी ने विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल से संबंधित प्रोग्राम के बारे में विस्तार से चर्चा की। साथ ही उन्होंने प्रोग्राम में शामिल हुए नए वैज्ञानिकों डॉ. हवा सिंह सहारण, डॉ. भृपेंद्र सिंह, डॉ. सतपाल, डॉ. देवेंद्र व डॉ. प्रिंस के साथ मिलकर आगामी रणनीति तय की। इस दौरान फार्मस फर्स्ट प्रोग्राम के प्रमुख अन्वेषक डॉ. अशोक कुमार गोदारा के साथ प्रोग्राम में काम कर रहे वैज्ञानिक डॉ. करमल सिंह, डॉ. दलीप विश्नोई, डॉ. कृष्ण रोलनिया व फिल्ड टीम के सदस्य भी मौजूद रहे। इसके अलावा गांव चिड़ोद व पायलां के किसान भी उपस्थित रहे।